● पहचानो और बताओ :

५. जुड़ें हम

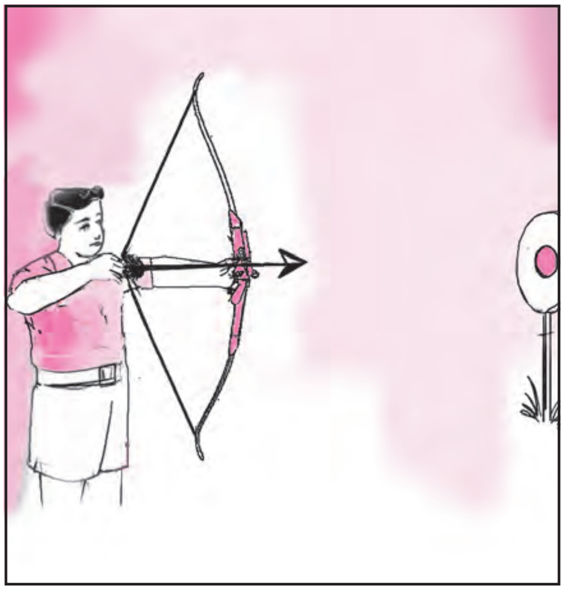

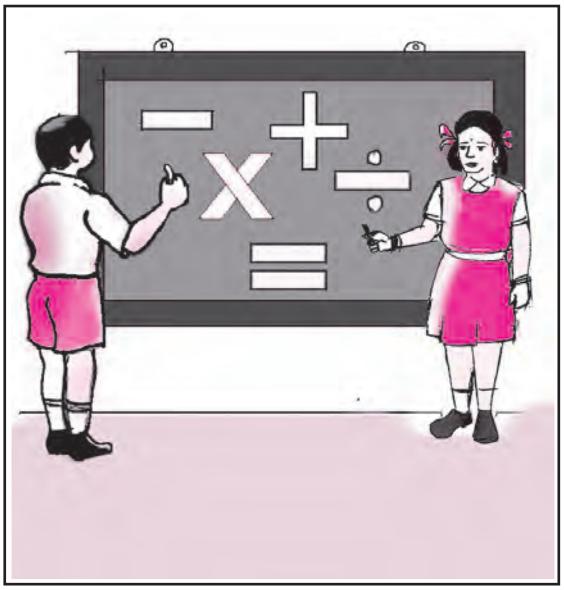

* सुनो और दोहराओ :

मुख्य लक्ष्य पर ध्यान लगाओ ।

प्रह्लाद, विद्या चिह्न बनाओ ।

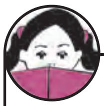

१. पढ़ो :

पाई हटाकर जुड़ें हम

ग्वाला	पुष्प
गुच्छा	डिब्बा
चप्पल	पत्थर

हल लगाकर जुड़ें हम

सिद्‌धू	द्‌वार
लड्‌डू	खट्‌टा
बाह्‌य	वाङ्‌मय

२. मुखर वाचन करो और अनुलेखन करो :

सोआ, मेथी, पालक, चौलाई; हरी सब्जियाँ मन को भाएँ ।
बैंगन, कुम्हड़ा, लहसुन, प्याज; गाजर, मूली बहुत लुभाएँ ।
ककड़ी, मटर, आलू लाओ; लाल टमाटर को मित्र बनाओ ।
चुकंदर, भुट्‌टा, कद्‌दू खाओ; हर बीमारी को दूर भगाओ ।।

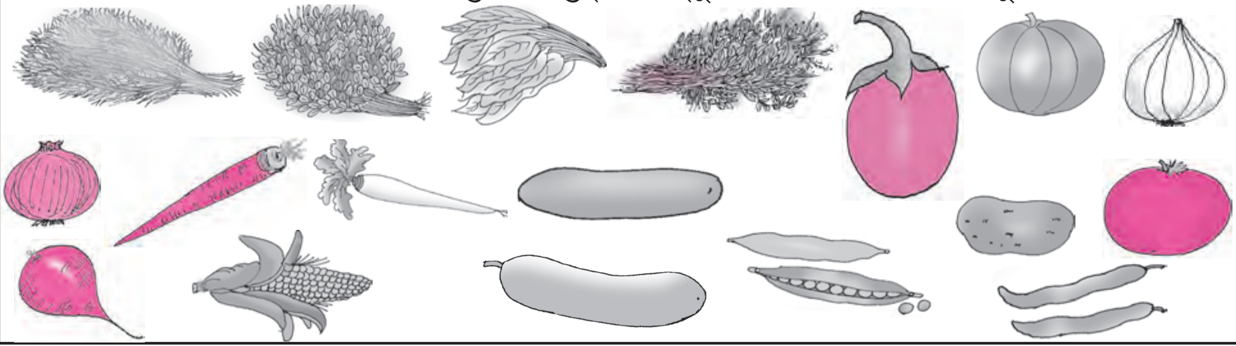

❑ इस पृष्ठ का अध्यापन करने से पहले पृष्ठ २२ पर दिए गए अध्यापन संकेत पढ़कर विद्‌यार्थियों से अभ्यास करवाएँ । चित्रों को पहचानकर सब्जियों के नाम कहलवाएँ । आवश्यकतानुसार सहायता करें । दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं के नाम कहलवाएँ ।

● पहचानो और बताओ :

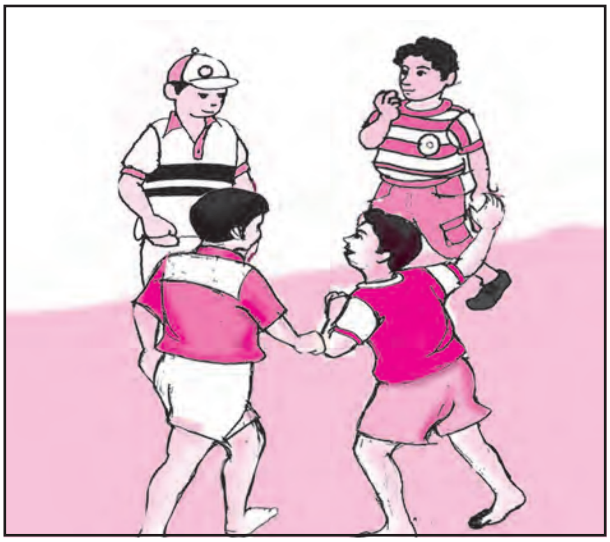

✻ सुनो और दोहराओ :

अक्खड़, फक्कड़, गफ्फार, उत्तम । अग्रसर महाराष्ट्र सर्वोत्तम ।

१.पढ़ो :

आधे होकर जुड़ें हम		विभिन्नता से जुड़ें हम	
मक्खी	सिक्का	दर्जी	गंधर्व
रफ्तार	डॉक्टर	इंद्रधनुष	चंद्रमा
शगुफ्ता	मुजफ्फर	मेट्रो रेल	महाराष्ट्र

२.मौन वाचन करो और आपस में श्रुतलेखन करो :

१. सेवा डॉक्टर का कर्तव्य है ।
२. पौधे लगाओ, प्रदूषण हटाओ ।
३. राष्ट्रीय संपदा, स्वच्छ रखें सर्वदा ।
४. मक्खी, मच्छर भगाओ, रोग मिटाओ ।
५. रक्तदान-जीवनदान, नेत्रदान-श्रेष्ठ दान ।
६. विश्वास रखो, अंधविश्वास नहीं ।
७. बेईमानी ठुकराओ, ईमानदारी अपनाओ ।
८. इंद्रधनुष के रंगों की तरह मिलकर रहो ।

❑ इस पृष्ठ का अध्यापन करने से पहले पृष्ठ २२ पर दिए गए अध्यापन संकेत पढ़कर विद्यार्थियों से अभ्यास करवाएँ । सुविचारों को समझाएँ और इसी प्रकार के सुविचारों का संग्रह करवाएँ । दैनिक व्यवहार में इनका प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें । इंद्रधनुष के रंगों के नाम कहलवाएँ और रंगों की सूची बनवाएँ । विद्यार्थियों से रंगों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की जोड़ियाँ मिलवाएँ ।